कक्षा – 7 के विद्यार्थियों को रेखागणित में होने वाली अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006–2007

शोधकर्ता
दिनेश शर्मा

मार्गदर्शक
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा

सह मार्गदर्शक
डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

सत्यमेव जयते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

कक्षा – 7 के विद्यार्थियों को रेखागणित में होने वाली अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन

0-236

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि
की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2006–2007

शोधकर्ता
दिनेश शर्मा

मार्गदर्शक
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा

सह मार्गदर्शक
डॉ. एम.के. श्रीवास्तव
प्रवक्ता, शिक्षा (तदर्थ)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(रा. शै. अनु. और प्रशि. परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा पत्र

मैं दिनेश शर्मा छात्र एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करता हूँ कि कक्षा–7 के विद्यार्थियों को रेखागणित में होने वाली अधिगम कठिनाईयाँ का अध्ययन नामक विषय पर लघु शोध प्रबन्ध 2006–07 में डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक) डॉ. एम.के. श्रीवास्तव (प्रवक्ता), (तदर्थ) शिक्षा क्षेत्रीय संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबन्ध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2006–07 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये आंकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थान : भोपाल
दिनाँक : .....

शोधकर्ता

दिनेश शर्मा
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय संस्थान भोपाल
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दिनेश शर्मा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र है, इन्होने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध विषय प्रबंध "कक्षा–7 के विद्यार्थियों को रेखा गणित में होने वाली अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन।" मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2006–2009 की आंशीक हेतु प्रस्तुत है।

स्थानः भोपाल

दिनांकः 13/04/07

मार्गदर्शक

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण 13/4/07
प्रवाचक, शिक्षा

सह–मार्गदर्शक

डॉ. एम.के. श्रीवास्तव 13/04/07
प्रवक्ता (तदर्थ), शिक्षा

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे, मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक) एवं डॉ. एम.के. श्रीवास्तव, प्रवक्ता (तदर्थ) श्रेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है, जिन्होने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तु लघुशोध प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं अपने आदरणीय प्रो. ए. वी. सक्सेना, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा अधिष्ठाता प्रो. एस. ए. शफी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. जी. एन. प्रकाश श्रीवास्तव के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ। एम.एड. प्रभारी डॉ. के. के. खरे का भी आभारी हूँ।

मैं मेरे करीबी मित्र तथा सहपाठी हसमुख कथिरीया, मयंक तिवारी, अलोक दुबे, दिनेश सोनावने तथा सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान सहयोग के लिए आभारी हूँ। अपने आदरणीय माता–पिता, भाई–बहन तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवन पर्यनत चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु मन धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

स्थानः भोपाल
दिनांकः————

दिनेश शर्मा
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमाणिका

घोषणा पत्र

प्रमाण पत्र

आभार ज्ञापन

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
प्रथम	शोध परिचय	1–9
1.1	प्रस्तावना	
1.2	प्राथमिक शिक्षा का निम्न गुणात्मक स्तर – एक समस्या	
1.3	न्यूनतम अधिगम स्तर का अर्थ	
1.4	न्यूनतम अधिगम स्तर निर्धारण करने के लाभ	
1.5	प्राथमिक स्तर पर गणित का महत्व	
1.6	गणित शिक्षण का बौद्धिक महत्व	
1.7	गणित में न्यूनतम अधिगम स्तर	
1.8	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
1.9	NCF-2005 के अनुसार	
1.10	समस्या कथन	
1.11	पदों की संकल्पना एवं परिभाषाऐं	
1.12	अध्ययन के उद्देश्य	
1.13	परिकल्पनाएं	
1.14	सीमांकन	
1.15	प्रस्तुत अध्ययन की आवश्यकता व महत्व	
द्वितीय	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	10–13
2.1	प्रस्तावना	
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन का महत्व	
2.3	प्रस्तुत समस्या से संबंधित साहित्य का अवलोकन इस प्रकार है	

तृतीय	शोध प्रविधि	14–19
3.1	प्रस्तावना	
3.2	शोध प्रक्रिया	
3.3	शोध अध्ययन में प्रयुक्त चर	
3.4	प्रतिदर्श चयन	
3.4.1	प्रतिदर्श का चुनाव	
3.2	प्रतिदर्श का वर्णन	
3.4	उपकरण	
3.5	प्रदतों का संकलन	
3.6	प्रयुक्त सांख्यिकी	
चतुर्थ	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	20–43
4.1	प्रस्तावना	
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	
4.2.1	परिकल्पा का सत्यापन	
पंचम	शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव	44–47
5.1	प्रस्तावना	
5.2	समस्या कथन	
5.3	शोध में प्रयुक्त स्तर	
5.4	शोध के उद्देश्य	
5.5	प्रतिदर्श	
5.6	उपकरण	
5.7	प्रयुक्त सांख्यिकी	
5.8	शोध निष्कर्ष	
5.9	सुझााव	
5.10	शैक्षणिक सुझाव	
5.11	भावी शोध हेतु सुझाव	
❖	संदर्भ ग्रंथ	48
❖	परिशिष्ट	i–*xi*